मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 25 अगस्त 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	25/08/15	26/08/15	27/08/15	28/08/15	29/08/15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	34	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	26	26	26	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	4	4	3	3
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	76	74	72	70	70
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	32	30	28	26	26
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	14	12	13	12	14
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

अगले पांच दिनो तक मौसम साफ रहने की सम्भावना को देखते हुए किसान भाई दलहनी फसलो में निराई–गुडाई कर खरपतवार निकाले।

बाजरा की फसल में स्मट रोग के कारण सिट्टो में दाने हरे रंग एंव बडे आकार के हो जाते है तथा बाद में ये दाने काले रंग के हो जाते है एवं पूरे फफूंद के स्पोट से भरे होते हैं। रोग के नियंत्रण हेतु फसल पर 1.50 किलो विटाबैक्स को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे।

तिल की फसल में छाछ्या रोग के कारण पत्तियों की सतह पर सफेद पाउडर जमा हो जाता है तथा ज्यादा प्रकोप होने पर पत्तियां पीली पडकर सूखने लगती है। रोग के लक्षण दिखाई देते ही 2 किलो धुलनशील गंधक का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

भिण्डी की फसल में पीतशीरा मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु मैलाथियॉन 30 ई.सी. एक मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

भेड़–बकरियों में पी.पी.आर., चेचक व फड़किया रोग की बढती सम्भावना को देखते हुए इन रोगों के टीके अवश्य लगवायें।

इस मौसम में पशु के शरीर पर किसी भी प्रकार के घाव की देखभाल सही तरीके से करें अन्यथा घाव में मक्खी बैठकर अण्डे देती है और घाव में कीड़ पड़ जाते हैं। घाव को अच्छी प्रकार से लाल दवा से धोकर, एंटीबायोटिक मलहम लगायें।

(नौडल ऑफीसर)